संलग्नक – 1

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध
जुलाई 2011 **से प्रभावी**
बी॰ए॰ : प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी ;अनिवार्यद्ध

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक-विभाजन

- निर्धारित पाठ्य पुस्तक-मध्यकालीन काव्य-कुंज : सं॰ डॉ॰ रामसजन पाण्डेय
  प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज, रोहतक।

- हिंदी साहित्य का आदिकाल
- काव्यशास्त्रा
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड-क : मध्यकालीन काव्य-कुंज

- पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि
  कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराँबाई, बिहारी, घनानंद, रसखान

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

खण्ड-ख : हिन्दी साहित्य का आदिकाल
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हिन्दी साहित्योतिहास लेखन की परम्परा
2. आदिकाल का नामकरण
3. आदिकाल की परिस्थितियाँ
4. आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
5. रासोकाव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

खण्ड – ग : काव्यशास्त्रा पर आधरित विषय

1. काव्य के तत्व
2. रस : स्वरूप और अंग
3. रस के भेद
4. अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति।

छंद–दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी।

शब्दशक्तियाँ : अभिध, लक्षणा, व्यंजना।

काव्य–गुण : प्रसाद, माधुर्य और ओज।

खण्ड – घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :–

1. खण्ड ;कद्ध में निर्धरित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

2. खण्ड ;कद्ध में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।

3. खण्ड ;कद्ध में निर्धरित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4. खण्ड ;खद्ध में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8–8 अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।

5. खण्ड ;खद्ध में निर्धरित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

6. खण्ड ;गद्ध में निर्धरित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षर्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप–प्रश्न 5 अंक का तथा पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

7. खण्ड ;घद्ध में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का

तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध

जनवरी 2012 से प्रभावी

बी०ए० : द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी ;अनिवार्यद्ध

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक-विभाजन

- ध्रुवस्वामिनी ;नाटकद्ध : जयशंकर प्रसाद
- हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल
- व्यावहारिक हिन्दी
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड-क : ध्रुवस्वामिनी

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्कक प्रश्न

1. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य
2. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्रा-योजना
3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता
4. प्रसाद की नाट्यकला

खण्ड-ख : हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
2. संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
3. सूपफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
4. राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
5. कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
6. भक्तिकाल : स्वर्णयुग

खण्ड - ग : व्यवाहारिक हिंदी

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1. भाषा की परिभाषा
2. भाषा के विविध रूप : बोली, मानकभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, माध्यमभाषा, मातृभाषा
3. मानक-भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
4. हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन
5. हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान
6. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

खण्ड - घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :-

1. खण्ड ;कद्ध में निर्धरित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

2. खण्ड ;कद्ध में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।

3. खण्ड ;कद्ध में निर्धरित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4. खण्ड ;खद्ध में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8-8 अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।

5. खण्ड ;खद्ध में निर्धरित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

6. खण्ड ;गद्ध में निर्धरित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षर्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप-प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

7. खण्ड ;घद्ध में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

संलग्नक – 2

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध

जुलाई 2011 से प्रभावी

बी०ए० : प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी ;ऐच्छिकद्ध

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक-विभाजन

1. कुरुक्षेत्रा ;षष्ठ सर्गद्ध : रामधरी सिंह दिनकर
2. हानूश ;नाटकद्ध : भीष्म साहनी
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल

खण्ड-;कद्ध : कुरुक्षेत्रा ;षष्ठ सर्गद्ध

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. 'कुरुक्षेत्रा' की मूल संवेदना
2. 'कुरुक्षेत्रा' की पात्रा योजना
3. 'कुरुक्षेत्रा' का काव्य-रूप
4. 'कुरुक्षेत्रा' के नामकरण की सार्थकता
5. दिनकर की काव्य-कला

खण्ड-;खद्ध : हानूश

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. 'हानूश' नाटक का उद्देश्य
2. 'हानूश' नाटक की पात्रा योजना
3. 'हानूश' नामकरण की सार्थकता
4. रंगमंच की दृष्टि से 'हानूश' का मूल्यांकन
5. 'हानूश' की नाट्य-कला

खण्ड – ;गद्धः हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन की परम्परा
2. आदिकाल का नामकरण
3. आदिकाल की परिस्थितियाँ
4. आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
5. रासो काव्य परम्परा
6. पृथ्वीराजरासो की प्रामाणिकता
7. विद्यापति व अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय।

निर्देश :-

1. खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

2. खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।

3. खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 200 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

4. खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5. खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।

6. खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षर्थियों को लगभग 200 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

7. खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्ययक्रम में से 4 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।

8. खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। पूरा

अंक का होगा।

9. अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा। पूरे पाठ्यक्रम से एक-एक अंक के 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध

जनवरी 2012 से प्रभावी

बी०ए० : द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी ;ऐच्छिकद्ध

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा :80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक-विभाजन

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य : प्रो. पूरनचंद टंडन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
2. निर्मला ;उपन्यासद्ध : प्रेमचंद
3. हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि

कबीरदास - प्रथम 30 दोहे

जायसी - सभी पद

सूरदास-भ्रमरगीत पद संख्या : 1 से 4, 6, 9, 12

गोकुल लीला : पद संख्या 1, 3, 6, 8, 10 ;कुल 12 पदद्ध

तुलसीदास-पुस्तक में संकलित 'विनय पत्रिका' एवं 'दोहावली' से गृहीत छंद

मीराबाई - पद संख्या 1 से 5, 16, 17, 20, 23, 25-कुल 10 पद

बिहारी - श्रृंगारिक दोहे - 1 से 25

घनानंद - प्रथम आठ कवित्त।

खण्ड-;कद्ध : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. कबीर की प्रासंगिकता
2. जायसी का विरह वर्णन
3. सूरदास का वात्सल्य वर्णन
4. श्रृंगार वर्णन
5. तुलसीदास का समन्वयवाद
6. मीराबाई की प्रेम साध्ना
7. बिहारी की बहुज्ञता
8. घनानंद का वियोग वर्णन
9. सभी कवियों का साहित्यिक परिचय

खण्ड - ;खद्ध : निर्मला

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. 'निर्मला' उपन्यास का प्रतिपाद्य
2. 'निर्मला' की पात्रा योजना
3. 'निर्मला' नामकरण की सार्थकता
4. प्रेमचंदयुगीन सामाजिक परिवेश
5. उपन्यासकार प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

खण्ड – ;गद्ध : भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भक्ति : उद्भव और विकास
2. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
3. संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
4. सूपफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
5. राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
6. कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
7. अष्टछाप और उसका महत्त्व
8. भक्तिकाल : स्वर्णयुग

निर्देश :–

1. खण्ड 'क' में निर्धरित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

2. खण्ड 'क' में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।

3. खण्ड 'क' में निर्धरित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 200 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 6 अंक का होगा।

4. खण्ड 'ख' में निर्धरित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5. खण्ड 'ख' में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।

6. खण्ड 'ख' में निर्धरित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 200 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

7. खण्ड 'ग' में निर्धरित पाठ्यक्रम में से 4 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धरित हैं।

पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।

8. खण्ड 'ग' में निर्धरित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें, से परीक्षार्थियों को

किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 8

अंक का होगा।

9. अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा। पूरे पाठ्यक्रम से एक-एक अंक के 8 प्रश्न पूछे

जाएंगे। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

संलग्नक – 3

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध

जुलाई 2011 से प्रभावी

बी०ए० आनर्स ;हिन्दीद्ध

प्रथम सेमेस्टर

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

पहला प्रश्नपत्रा : हिन्दी नाटक

क. पाठ्यक्रम में निर्धरित नाटक

1. मिस्टर अभिमन्यु : लक्ष्मीनारायण लाल
2. शम्बूक : जगदीश गुप्त

ख. पाठ्यक्रम में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्न

'मिस्टर अभिमन्यु'

1. 'मिस्टर अभिमन्यु' नामकरण की सार्थकता
2. 'मिस्टर अभिमन्यु' में राष्ट्रीयता की भावना
3. 'मिस्टर अभिमन्यु' की पात्रा–योजना
4. 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय
5. 'मिस्टर अभिमन्यु' की अभिनेयता
6. लक्ष्मीनारायण लाल का साहित्यिक परिचय

'शम्बूक'

1. 'शम्बूक' का प्रतिपाद्य
2. 'शम्बूक' की पात्रा–योजना
3. 'शम्बूक' का का काव्य–रूप
4. 'शम्बूक' की प्रासंगिकता
5. जगदीश गुप्त का साहित्यिक परिचय

निर्देश :–

1. पाठ्यक्रम में निर्धरित दोनों पाठ्यपुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी।

   प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

2. पाठ्यक्रम में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों

   को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न

   करना अनिवार्य है। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 30

   अंक का होगा।

3. दोनों पाठ्यपुस्तकों एवं उन पर आधरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे

जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा।

प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के

लिए 4 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध
जुलाई 2011 से प्रभावी
बी०ए० ऑनर्स ;हिन्दीद्ध
प्रथम सेमेस्टर

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा :80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

दूसरा प्रश्नपत्रा : भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

खंड - 1

भाषा की परिभाषा
भाषा की प्रकृति
भाषा की व्यावहारिक व्यवस्था
भाषा-अध्ययन की दिशाएँ

खंड - 2

पश्चिमी हिन्दी की बोलियों ;ब्रज, कौरवी, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेलीद्ध का परिचय
पूर्वी हिन्दी की बोलियों ;अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ीद्ध का परिचय
मानक हिन्दी की विशेषताएँ

खंड - 3

हिन्दी स्वर एवं व्यंजन ध्वनियों का सामान्य परिचय
हिन्दी शब्दों का वर्गीकरण
हिन्दी वर्तनी

खंड - 4

हिन्दी पद और पद -भेद
समस्त पद
अर्थ परिभाषा एवं शब्द-अर्थ-संबंध
अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ

खंड - 5

नागरी लिपि का वर्तमान-स्वरूप
नागरी लिपि की विशेषताएँ
नागरी लिपि का मानकीकरण

निर्देश :-

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धरित हैं। पूरा खण्ड 40 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा खण्ड 30 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध

जनवरी 2012 से प्रभावी

बी०ए० ऑनर्स ;हिन्दीद्ध

द्वितीय सेमेस्टर

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

तीसरा प्रश्नपत्रा : हिन्दी उपन्यास

क. पाठ्यक्रम में निर्धरित उपन्यास

1. त्यागपत्रा : जैनेन्द्र कुमार
2. महाभोज : मन्नू भण्डारी

ख. पाठ्यक्रम में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्न

'त्यागपत्रा'

1. 'त्यागपत्रा' का मूल प्रतिपाद्य
2. 'त्यागपत्रा' की पात्रा-योजना
3. 'त्यागपत्रा' की उपन्यास-कला
4. 'त्यागपत्रा' की प्रासंगिकता
5. जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय

'महाभोज'

1. 'महाभोज' का उद्देश्य
2. 'महाभोज' की पात्रा-योजना
3. 'महाभोज' नामकरण की सार्थकता
4. 'महाभोज' की उपन्यास-कला
5. मन्नू भण्डारी का साहित्यिक परिचय

निर्देश :-

1. पाठ्यक्रम में निर्धरित दोनों पाठ्यपुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से दो-दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी।

   प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

2. पाठ्यक्रम में निर्धरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों

   को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न

   करना अनिवार्य है। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 30

   अंक का होगा।

3. दोनों पाठ्यपुस्तकों एवं उन पर आधरित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे

   जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थयों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा।

प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के

लिए 4 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम ;महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक और कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा के लिएद्ध
जनवरी 2012 से प्रभावी
बी०ए० ऑनर्स ;हिन्दीद्ध
द्वितीय सेमेस्टर

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

चौथा प्रश्नपत्रा : साहित्यालोचन

1. काव्य का स्वरूप, काव्य के तत्त्व, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु

2. भारतीय काव्य सि(ान्त : रस सि(ान्त, अलंकार सि(ान्त, रीति सि(ान्त, वक्रोक्ति सि(ान्त, ध्वनि सि(ान्त, औचित्य सि(ान्त

3. प्रमुख पाश्चात्य काव्य सि(ान्त : प्लेटो का काव्य सि(ान्त, अरस्तू का अनुकरण सि(ान्त, लोंजाइनस का
उदात्त तत्त्व, कॉलरिज का कल्पना सि(ान्त, रिचर्डस का संवेगों का संतुलन।

4. विविध काव्यशास्त्रीय वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषणवाद।

निर्देश :-

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर
देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धरित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में
किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा खण्ड 30 अंक का
होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।
पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित ग्रन्थ :

1. काव्यशास्त्रा-भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय काव्यशास्त्रा-डॉ. सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. काव्य के रूप -गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली।

4. भारतीय काव्यशास्त्रा – योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।